पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित 01.10.2022 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली—110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9958889970 पर Paytm कर दें। — अनिल आर्य

वर्ष-39 अंक-09 आश्विन-2079 दयानन्दाब्द 199 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2022 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.10.2022, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

हैदराबाद विजय दिवस सम्पन्न

आर्य समाजियों के बलिदान से हैदराबाद का विलय भारत मे हुआ —स्वामी आर्यवेश (अंतर्राष्ट्रीय नेता आर्य समाज)

वर्तमान परिस्थितियों में पुनः राष्ट्रीय अखण्डता अक्षुण रखनी होगी —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शनिवार 17 सितम्बर 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'हैदराबाद विलय दिवस' की 74वीं वर्षगांठ पर बलिदानी सत्याग्रहियों को आर्य समाज कबीर बस्ती पुरानी सब्जी मंडी दिल्ली में यज्ञ कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उल्लेखनीय है कि आर्य समाज के आंदोलन के कारण मजबूर होकर 17 सितम्बर 1948 को हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय स्वीकार किया था। आर्य समाज के अन्तर्राष्ट्रीय नेता स्वामी आर्य वेश ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज का सर्वाधिक योगदान रहा।निजाम ने आर्य समाज पर कई प्रतिबंध भी लगाये मन्दिरों में घंटी बजाने, ओम ध्वज लगाने और हवन करने पर भी प्रतिबंध लगाये लेकिन आर्य समाज के लंबे चले सत्याग्रह के आगे उन्हें झुकना पड़ा। कांग्रेस सरकार ने आर्य सत्याग्रहियों को ताम्रपत्र देकर सम्मानित किया व पेंशन भी लागू की। अंग्रेजी सरकार की नजर में उस समय आर्य समाजी होना विद्रोही माना जाता था आज उन बलिदानों को स्मरण करने का दिन है। उस सत्याग्रह में 12000 आर्यों ने जेल भरी। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि यह स्वतंत्रता ऐसे ही नहीं मिल गई इसके लिए वीरों ने अपने बलिदान दिए हैं आज उन बलिदानियों को स्मरण करके राष्ट्रीय अखंडता को अक्षुण रखने का संकल्प लेना होगा। आर्य समाज राष्ट्र जागरण का देश भर में अभियान चलाएगा। आर्य पुरोहित सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रेमपाल शास्त्री ने कहा कि आज वीरो के त्याग बलिदान से नई पीढ़ी को अवगत कराना चाहिए जिससे वह आजादी के महत्व को समझे। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य महेन्द्र भाई ने श्रद्धांजलि यज्ञ से किया। भजनौपदेशक प्रवीण आर्य पिंकी, कुसुम भण्डारी,प्रतिभा सपड़ा, प्रवीण आर्य,(गाजियाबाद), सोनिया संजू आदि ने ओजस्वी गीत प्रस्तुत किये। उत्तरी दिल्ली वेद प्रचार के मण्डल के अध्यक्ष ओम सपड़ा ने कहा कि आर्य समाज का पुस्तकों के लेखन एवं बोलने का कार्य अनवरत जारी है। वैदिक विद्वान आचार्य गवेन्द्र शास्त्री,गोपाल आर्य,पूर्व पार्षद गुड्डी देवी जाटव,रामचन्द्र आर्य (सोनीपत) ने भी अपने विचार रखे। प्रमुख रूप से यशोवीर आर्य, डा वरुणेद्र कथूरिया, देवेन्द्र भगत, रामकुमार आर्य, देवेन्द्र गुप्ता, नेत्रपाल आर्य, सुनील खुराना, सुदेश भगत, रामचन्द्र सिंह, कैप्टन अशोक गुलाटी, राधा भारद्वाज, सुशील बाली, प्रेम चन्द शास्त्री, वेद प्रकाश आर्य, के के सेठी, संजीव आर्य, महावीरसिंह आर्य, अरुण आर्य, वरुण आर्य, अंकुर आर्य आदि उपस्थित थे।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद, दिल्ली के तत्वावधान में

139वें महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में

संगीत संध्या-एक शाम ऋषि दयानन्द के नाम

मंगलवार 25 अक्टूबर 2022, शाम 4.00 बजे से रात्री 8.00 बजे तक

स्थानः आर्य समाज पंजाबी बाग विस्तार (क्लब रोड), दिल्ली—110026

अध्यक्षताः श्री धर्मपाल कुकरेजा जी (प्रधान आर्य समाज)

गायक कलाकारः— श्री नरेंद्र आर्य सुमन—श्रीमती सुदेश आर्या—श्रीमती पिंकी आर्या

सहकलाकारः नरेश खन्ना—दीप्ति सपरा — रजनी गर्ग

ऋषि लंगर—रात्री 8.00 बजे आप सपरिवार सादर आमंत्रित है।

निवेदकः— अनिल आर्य, संयोजक **महेन्द्र भाई**, महामंत्री **धर्मपाल आर्य**, कोषाध्यक्ष **दुर्गेश आर्य**, राष्ट्रीय मंत्री
एस के छतवाल, वरिष्ठ उपप्रधान **अनिल कपूर**, प्रबंधक **पी एस दहिया**, कोषाध्यक्ष **देवेन्द्र भगत**, राष्ट्रीय मंत्री

आर्य नेता ठाकुर विक्रम सिंह का 80वां जन्मोत्सव सम्पन्न

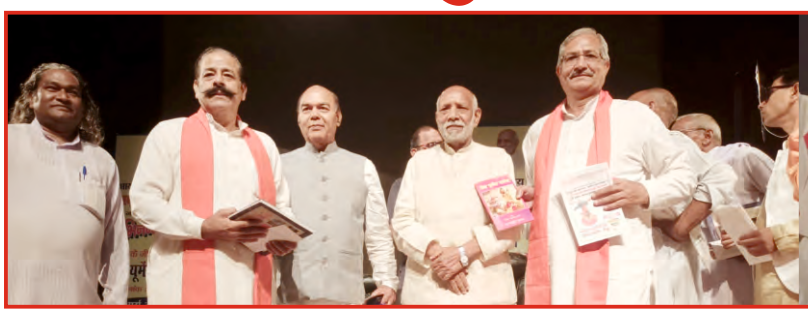

सोमवार 19 सितम्बर 2022, राष्ट्र निर्माण पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष ठाकुर विक्रम सिंह जी का 80 जन्मोत्सव आर्य सभागार पूर्वी कैलाश नई दिल्ली में उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के 40 कार्यकर्ता अपनी वेशभूषा में सम्मिलित हुए। स्वामी आर्य वेश जी, स्वामी प्रणवानन्द जी, आचार्य प्रेम पाल शास्त्री, आचार्य मेघश्याम वेदालंकार, बी.जे.पी नेता श्याम जाजु, डॉ. आनंद कुमार आदि गणमान्य लोगों ने शुभकामनाये दी। चित्रों में परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य, महामंत्री महेन्द्र भाई, पिंकी आर्य, अरुण आर्य, सूर्यदेव आर्य, गौरव,विकास, हिमांशु, नसीब, विनय आर्य आदि ठाकुर विक्रम सिंह जी को शाल व शील्ड से अभिनंदन करते हुए। अनेकों शुभकामनाये।

आचार्य प्रेमपाल शास्त्री व गुड्डी देवी जाटव का अभिनंदन

शनिवार 17 सितम्बर 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में हैदराबाद विजय दिवस आर्य समाज कबीर बस्ती दिल्ली में सौलास् मनाया गया, इस अवसर पर आर्य पुरोहित सभा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आचार्य प्रेमपाल शास्त्री का अभिनंदन करते देवेन्द्र भगत, ओम सपरा, अनिल आर्य। द्वितीय चित्र–पूर्व पार्षद गुड्डी देवी जाटव का अभिनंदन करते पिंकी आर्य, सन्तोष डावर, कुसुम भंडारी आदि।

आर्य समाज अशोक विहार फेज 1 में नवीन यज्ञशाला का भूमि पूजन सम्पन्न

सोमवार 26 सितम्बर 2022, आर्य समाज अशोक विहार फेज 1, दिल्ली में नवीन यज्ञ शाला के निर्माण के लिए भूमि पूजन संपन्न हुआ। स्वामी प्रणवानंद जी, विधायक राजेश गुप्ता, पार्षद विकास गोयल, ओम सपरा,अनिल आर्य, देवेन्द्र भगत, सतीश शास्त्री सत्यपाल गांधी, आशा भटनागर, पुष्पा सक्सेना, सीमा ढींगरा, संतोष वर्मा आदि उपस्थित थे। प्रधान प्रेम सचदेवा, उपप्रधान विक्रांत चौधरी, मंत्री जीवन लाल आर्य को हार्दिक बधाई।

आर्य समाज रेलवे रोड रानी बाग आओ

आर्य समाज रेलवे रोड रानी बाग दिल्ली के **वार्षिकोत्सव** पर **दिनांक 7 अक्टूबर से रविवार 9 अक्टूबर 2022** तक **सामवेद परायण यज्ञ आचार्य श्यामपाल शास्त्री** के **ब्रह्मा** रहेगे व **आचार्य विमलेश बंसल जी** के **प्रवचन** होंगे। आप सपरिवार दर्शन देवे।

निवेदकः–
सोमनाथ पुरी, प्रधान, मदनलाल अरोरा, मंत्री, रेखाशर्मा, कोषाध्यक्ष

तपोवन आश्रम देहरादून चलो

वैदिक तपोवन आश्रम नालापानी, देहरादून का शरद उत्सव **दिनांक 12 अक्टूबर से रविवार 16 अक्टूबर 2022** तक आयोजित किया जा रहा है। आप सपरिवार सादर आमंत्रित है।

निवेदकः– विजय आर्य, प्रधान प्रेम प्रकाश शर्मा, मंत्री

आर्य समाज प्रशांत विहार चलो

आर्य समाज प्रशांत विहार दिल्ली के **38वें वार्षिकोत्सव** पर दिनांक **6 अक्टूबर से रविवार 9 अक्टूबर 2022** तक आचार्य उष्हर्व बुध की वेद कथा व श्री अंकित उपाध्याय के मधुर भजन होंगे। **आचार्य शिव नारायण शास्त्री यज्ञ के ब्रह्मा** रहेगें। **आप सपरिवार दर्शन देवे।**

निवेदकः– धर्मपाल परमार, प्रधान, नरेंद्र कस्तूरिया, मंत्री, महेन्द्रपाल अरोरा, कोषाध्यक्ष।

आर्य वीर महा सम्मेलन मुरादाबाद चलो

आर्य वीर दल उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में **महात्मा नारायण स्वामी जी** के **75वे निर्वाण दिवस** पर **आर्य वीर महासम्मेलन दिनांक 14,15,16 अक्टूबर 2022** को–बुद्ध विहार फेज 3, सर्किट हाउस के पास, दिल्ली रोड, मुरादाबाद में आयोजित किया जा रहा ह। स्वामी रामदेव जी, आचार्य स्वदेश जी भी आशीर्वाद देंगे।

सभी आर्य जन सादर आमंत्रित है। – **ज्ञानेन्दर गांधी**, संयोजक

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 450वां वेबिनार सम्पन्न

'स्थिरता और योग' पर गोष्ठी सम्पन्न

सकरात्मक सोच व आशावादी दृष्टिकोण योग से सम्भव है –योगाचार्या रजनी चुघ

सोमवार, 19 सितम्बर 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'स्थिरता और योग' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 444 वाँ वेबीबार था। मुख्य वक्ता योगाचार्या रजनी चुघ ने कहा कि शारीरिक, प्राणों की, मानसिक और बुद्धि की स्थिरता से ही हम समाधि की ओर आगे बढ़ सकते हैं। योग का लक्ष्य स्थिरता को प्राप्त करना है। स्थिरता ही ध्यान, धारणा और समाधि की और ले जाने वाली है। एक अवस्था में शरीर को लम्बे समय तक ठहराने की शक्ति प्राप्त करना ही शारीरिक स्थिरता है। इससे हमारी सभी अंग मजबूत बनते हैं। प्राणिक स्थिरता से प्राण शक्ति बढ़ती है। मानसिक स्थिरता के लिए मन कि एकाग्रता आवश्यक है। जब हमारा मन शांत व स्थिर होता है तो हम रितंभरा व प्रज्ञा प्राप्त कर लेते हैं अतः हमें प्रतिदिन योगाभ्यास द्वारा अपनी शक्तियों का विकास करते रहना चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल आर्य ने संचालन करते हुए कहा कि योगी व्यक्ति बड़े से बड़ा कष्ट आसानी से सहन कर लेता है। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री कृष्णा गाँधी व अध्यक्ष रजनी गर्ग ने योग कि मेहता पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि योग स्वस्थ जीवन का आधार है। गायिका प्रवीना ठक्कर, पिंकी आर्य, कमला हंस, ईश्वर देवी, सुनीता अरोरा, सरला बजाज, जनक अरोरा, प्रतिभा कटारिया, कुसुम भंडारी, रविन्द्र गुप्ता, सुदर्शन चौधरी आदि के मधुर भजन हुए।

'राष्ट्र निर्माण में युवा' पर गोष्ठी सम्पन्न

संस्कारवान नयी शिक्षा नीति की आवश्कता –डॉ. नरेंद्र आहूजा विवेक

बुधवार 21 सितम्बर 2022,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'राष्ट्र निर्माण में युवा' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल में 446 वां वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता डॉ. नरेंद्र आहूजा विवेक ने कहा कि जैसे एक पहाड़ी नदी के जल में गति ऊर्जा होती है ठीक वैसे ही युवाओं में भी ऊर्जा और तीव्र गति होती है। पहाड़ी नदी के बहते जल को अगर बांध कर नियंत्रित करके उसका प्रयोग किया जाए तो ऊर्जा प्राप्त की जा सकती है जैसे टिहरी बांध से बिजली बना कर राष्ट्र निर्माण प्रगति में प्रयोग किया जाता है।ठीक इसी प्रकार युवाओं को भी उनके माता पिता आचार्यों द्वारा दिए गए संस्कारों के बांध से बांध कर उनकी ऊर्जा का प्रयोग राष्ट्र निर्माण में किया जाना चाहिए।यदि तीव्र जल प्रवाह वाली नदी पर बांध ना बंधा हो तो हिमालयन सुनामी जैसी विभीषिका आ जाती है।ठीक उसी तरह युवा पीढ़ी को संस्कार ना देने पर चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी मोहाली जैसी शर्मनाक एम एम एस कांड जैसी घटनाएं होती हैं जो समाज और राष्ट्र के लिए कलंक का कारण बनती हैं। विवेक ने युवा वर्ग को संस्कारित करने के लिए गुरुकुलीय आचार्यकुलम या ड़ी ए वी जैसी संस्कार देने वाली शिक्षा व्यवस्था लागु करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि स्वाधीनता प्राप्त करने के समय मैकाले की गुलामी की मानसिकता बनाने वाली और मनुष्य न बनाने वाली शिक्षा नीति को दोषी बताया।विवेक ने कहा कि भगवाकरण के आरोप की परवाह ना करते हुए हमें संस्कार देने वाली नई शिक्षा लागु करने पर बल दिया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि युवा पीढ़ी ही राष्ट्र का भविष्य है उसका संस्कार वान निर्माण होना अत्यन्त आवश्यक है। मुख्य अतिथि आर्य नेता धर्मेन्द्र बजाज व अध्यक्ष स्वतंत्र कुकरेजा ने भी युवाओं की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि आर्य युवक परिषद निरंतर युवा निर्माण में कार्यरत्त रहता है। गायिका जनक अरोरा, कृष्णा गांधी, रजनी चुग, ईश्वर देवी, सुदर्शन चौधरी, अंजू आहूजा, कृष्णा पाहुजा, अनिता रेलन (कनाडा), कुसुम भंडारी ललिता (बंगलौर), कमला हंस, राज अरोडा आदि के मधुर भजन हुए।

'स्वाध्याय का महत्व' पर गोष्ठी सम्पन्न

स्वाध्याय जीवन निर्माण में सहायक है –साध्वी रमा चावला

सोमवार, 26 सितम्बर 2022,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'स्वाध्याय का महत्व' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह करोना काल में 448 वाँ वेबिनार था। वैदिक विदुषी साध्वी रमा चावला ने कहा कि स्वाध्याय जीवन निर्माण में सहायक है यह व्यक्ति की नीव व विचार शक्ति को मजबूत करता है।स्वाध्याय से अभिप्राय आर्ष ग्रंथों साहित्य के पठन पाठन से है न कि कुछ भी पढ़ लेना।दैनिक जीवन में आत्मावलोकन भी स्वाध्याय की कड़ी है कि हमने दिन भर मे क्या सही और क्या गलत किया।वेद आदि शास्त्र–महापुरुषों की जीवनी के स्वाध्याय से प्रेरणा मिलती है।क्रांतिकारियों की आत्मकथा बड़ी ही ओजपूर्ण होती है।अतः स्वाध्याय को दैनिक जीवन का अंग बनाना चाहिए। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री अंजु आहूजा (चंडीगढ़) ने व अध्यक्ष इंदिरा वत्स ने भी स्वाध्याय की मेहत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वाध्याय से दशा व दिशा दोनों बदल जाती हैं। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि स्वाध्याय करने वाले व्यक्ति की बुद्धि व तर्क शक्ति का विकास होता है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि योग से स्मरण शक्ति बढ़ती है और स्वभाव में थकान नहीं होती। गायिका प्रवीना ठक्कर, सुदेश आर्य, कृष्णा गाँधी, रविन्द्र गुप्ता, कृष्णा पाहुजा, विजय खुल्लर, रजनी चुघ, सुनीता अरोडा, कौशल्या अरोडा, जनक अरोडा आदि के मधुर भजन हुए।

'हैदराबाद सत्याग्रह आर्य समाज का स्वर्णिम अध्याय' पर गोष्ठी सम्पन्न

आर्यों के बलिदान संघर्ष का साक्षी है हैदराबाद सत्याग्रह –योगाचार्य मंजुश्री हैदराबाद

अब पहले से अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता –द्रोपदी तनेजा

बुधवार 28 सितम्बर 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'हैदराबाद सत्याग्रह आर्य समाज का स्वर्णिम अध्याय' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह करोना काल में 449 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता माता द्रोपदी तनेजा (82 वर्षीय) ने कहा कि ऑनलाइन प्रोग्राम हम बजुर्गों के लिए वरदान साबित हुए,समय अच्छा कट जाता है। उन्होंने अपने मन की पीड़ा को व्यक्त करते हुए कहा कि हम अपने क्रांति वीरों को याद नहीं करते। 800 वर्षों तक भारत में मुसलमानों का राज्य रहा ओरंगजेब ने हैदराबाद का शासन निजाम को दे दिया उसने हैदराबाद के हिन्दू शासक को मारकर स्वयं शासक बन गया और शासन किया उसके राज्य में मुसलमानों की संख्या 11 प्रतिशत थी जबकि हिंदुओं की संख्या 89 प्रतिशत थी,आर्य समाज हिंदुओं के फेवर में था,उसे देख निजाम चिड़ता था, 1942 को अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन हो रहा था,प. राम प्रसाद बिस्मिल, भगत सिंह और अशफाकउल्ला खां ने आजादी के लिए कुर्बानी दी, हिन्सा होते ही महात्मा गांधी आंदोलन बंद करा देते थे। हैदराबाद के निजाम ने मंदिरों में घंटी, पूजा, ओम ध्वज, प्रभात फेरी पर प्रतिबंध लगा दिया था। उन्होंने कहा कि प्रसिद्ध क्रांतिकारी सरदार भगत सिंह के दादा जी सरदार अर्जुन सिंह विशुद्ध आर्य समाजी थे और इनके पिता सरदार किशन सिंह जी भी आर्य समाजी थे, भगत सिंह के विचारों पर भी आर्य समाज के संस्कारों की छाप स्पष्ट दिखाई पड़ती है। सांडर्स को मार कर भगत सिंह आदि पहले तो लाहौर के डी.ए.वी.कालेज में ठहरे, फिर योजनाबद्ध तरीके से कलकत्ता जाकर आर्य समाज में शरण ली और आते समय आर्य समाज के चपरासी तुलसीराम को अपनी थाली यह कहकर दे आये थे कि "कोई देशभक्त आये तो उसको इसी में भोजन करवाना"। दिल्ली में भगत सिंह, वीर अर्जुन कार्यालय में स्वामी श्रद्धानन्द और पंडित इन्द्र विद्यावाचस्पति के पास ठहरे थे क्योंकि उस समय ऐसे लोगों को ठहराने का साहस केवल आर्य समाज के सदस्यों में ही था। हैदराबाद में निजाम सरकार के विरूद्ध (सत्याग्रह चलाकर) जनता के हितों की रक्षा केवल आर्य समाजियों ने की है।पंजाब केसरी लाला लाजपत राय प्रसिद्ध आर्य समाजी नेता थे।राजस्थान केसरी कुंवर प्रताप सिंह वारहट,पं.राम प्रसाद बिस्मिल,रोशन सिंह, विष्णुशरण और उनके साथी पक्के आर्य समाजी थे, इनके सम्बन्ध में श्री मन्मथ नाथ गुप्त ने जो स्वयं क्रांतिकारी थे, ने साप्ताहिक हिन्दुस्तान के 13 जुलाई 1858 के अंक में लिखा था।फांसी के बाद राजेन्द्र लाहिड़ी के शव का तो आर्य समाजियों ने जुलूस निकाला था तथा सम्मानपूर्वक उसकी अन्तयेष्टि भी की थी। इसी प्रकार के और भी अनेक उदाहरण मिलते हैं जो यह सिद्ध करते हैं कि देश की स्वतन्त्रता की लड़ाई में आर्य समाज ने बढ़–चढ़कर हिस्सा ही नहीं लिया अपितु नेतृत्व भी किया है। नेता जी सुभाष के द्वारा आजाद हिन्द सेना का निर्माण और कार्य इतिहास में एक गौरवशाली स्वर्णिम अध्याय है। उक्त सेना के तीन प्रमुख नायकों में से सहगल आर्यसमाजी परिवार की ही देन थे।उनके पिता महाशय अछरू राम जी जाने माने आर्यसमाजी तथा कानून विद थे। जब लालकिले में इस सेना पर अभियोग चला,तब इनके बचाव पक्ष के वकीलों की जो कमेटी बनी थी,उसमें बख्सी टेकचन्द तथा दीवान बदरी दास के रूप में आर्यसमाज ने योगदान करके अपनी राष्ट्रनिष्ठा को व्यक्त किया था। इसके अतिरिक्त सामान्य सैनिक के रूप में इस सेना में भर्ती होकर योगदान करने वाले आर्यसमाजियों की संख्या अनगिनत है। इस प्रकार हम देखते हैं कि सशस्त्र क्रान्तिकारी दल के माध्यम से भी आर्यसमाज देश की स्वाधीनता के लिए प्रयत्न करने वाले देशभक्तों की मुहिम में अग्रिम पंक्ति में खड़ा दिखाई देता है।जिसका फल 15 अगस्त 1947 की स्वतन्त्रता के रूप में सामने आता है।देश को आज भी ऐसे ही एक आंदोलन की जरूरत है,जो देश में नैतिकता की लहर ला सके। मुख्य अतिथि योगाचार्य मंजूश्री (हैदराबाद) ने कहा कि आज के हालात अच्छे नहीं है सभी को सतर्क रहने की आवश्यकता है प अध्यक्ष कृष्णा पाहुजा ने युवा शक्ति को संगठित करने पर बल दिया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आर्य समाज नयी पीढ़ी को देश भक्त, संस्कारवान बनाने के अभियान को तीव्र गति से चलाएगा। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि देश विरोधी ताकतो पर प्रतिबंध लगाना सराहनीय कदम है। गायिका प्रवीना ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता, ईश् आर्य, प्रतिभा कटारिया, कृष्णा गांधी, रजनी चुघ, कुसुम भण्डारी, कौशल्या अरोड़ा, सुनीता अरोड़ा आदि के मधुर भजन हुए।

आर्य समाज कबीर बस्ती का भव्य सभागार

आचार्य गवेन्द्र शास्त्री का अभिनंदन करते हुए अनिल आर्य, प्रवीण आर्य व संजय आर्य। द्वितीय चित्र में आर्य समाज कबीर बस्ती का सुन्दर सभागार।

कृपया अपनी प्रिय पत्रिका "युवा उद्घोष" को नियमित बनाये रखने के लिये केवल 100/– रू का सहयोग "युवा उदघोष, A/N0. 20024363377, IFSCode. MAHB0000901, बैंक आफ महाराष्ट्र, डा. मुखर्जी नगर, दिल्ली–110009 पर आनलाईन भेजें।

जहां होता है भरपूर काम और प्रभु का गुणगान आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 **मो.**: 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970